

B.A. 6th Semester (Honours) Examination, 2022 (CBCS)

**Subject : Sanskrit**

**Course : DSE-3**

Time : 3 hours

Full Marks : 60

*The figures in the right hand margin indicate full marks.*

*Candidates are required to give their answers in their own words as far as practicable.*

প্রশ্নপত্রে হস্মিন্ Group-'A' Group-'B' ইতি বিভাগদ্বয়ং বর্ততে।  
প্রথমতঃ পরীক্ষার্থিভিঃ সাবধানতয়া স্বপঠিতঃ একো বিভাগো নিশ্চিতরূপেণ করণীয়ঃ।  
অতঃ প্রশ্নপত্রস্য নির্দেশানুসারেণ প্রশ্নাঃ সমাধেয়াঃ।  
(এই প্রশ্নপত্রে 'Group-A' এবং 'Group-B' এই দুটি বিভাগ আছে।)

Group-A

[Fundamentals of Ayurveda]

1. অধোলিখিতেষু প্রশ্নেষু দশ প্রশ্নাঃ সুরগিরা দেবনাগরীলিপিং সমাশ্রিত্য সমাধেয়াঃ। 2×10=20  
(নিম্নলিখিত প্রশ্নগুলির মধ্যে দশটি প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃতভাষায় ও দেবনাগরী লিপিতে লেখ।)
- (a) জীবকঃ কঃ আসীৎ? চিকিৎসায়ঃ কস্মিন্ বিভাগে সঃ দক্ষঃ আসীৎ?  
(জীবক কে ছিলেন? চিকিৎসা ক্ষেত্রে কোন বিভাগে তিনি দক্ষ ছিলেন?)
- (b) আয়ুর্বেদস্য কিং লক্ষণম্?  
(আয়ুর্বেদের কি লক্ষণ?)
- (c) চরক সংহিতায়াঃ টীকাদ্বয়স্য নাম লিখ্যতাম্।  
(চরক সংহিতার দুটি টীকার নাম লেখ।)
- (d) অষ্টাঙ্গহৃদয়গ্রন্থস্য টীকাদ্বয়ং কিম্?  
(অষ্টাঙ্গহৃদয় গ্রন্থের দুটি টীকা কি কি?)
- (e) আয়ুর্বেদসংহিতায়াঃ কতি স্থানভেদাঃ বর্তন্তে? তেষু দ্বয়োঃ নাম কিম্?  
(আয়ুর্বেদসংহিতার কতগুলো স্থানভেদ আছে? তাদের মধ্যে দুটি প্রভেদের নাম কি?)
- (f) স্বস্থলক্ষণং কিম্?  
(স্বস্থের লক্ষণ কি?)
- (g) বৈদ্যগুণচতুষ্টয়ং কিম্?  
(বৈদ্যগুণ চতুষ্টয় কি?)
- (h) চরকসংহিতায়াং চিকিৎসাপ্রয়োজনে কিং মতমস্তু?  
(চরকসংহিতাতে চিকিৎসাপ্রয়োজনে কি মত আছে?)

- (i) आयुर्वेदस्येतिहासे के विशिष्टाः आचार्याः आसन् ?  
(आयुर्वेदस्येतिहासे के विशिष्ट आचार्य कौन थे?)
- (j) धन्वन्तरिः कः बभूव ? तस्य प्रसिद्धः शिष्यः कः आसीत् ?  
(धन्वन्तरि के बहन के नाम क्या थे? उनके प्रसिद्ध शिष्य कौन थे?)
- (k) उपनिषद् इति शब्दस्य व्युत्पत्तिः निरूपयताम्।  
(उपनिषद् इस शब्द के व्युत्पत्ति लिखें।)
- (l) तैत्तिरीयोपनिषद् कस्य वेदस्य अन्तर्गतः ? अस्य वेदस्य गुरुत्वं कथम् ?  
(तैत्तिरीयोपनिषद् किस वेद के अन्तर्गत है? इस वेद के गुरुत्व क्या है?)
- (m) युष्माकं पाठ्यविषयः भृगुवल्ली इति नाम्ना कथं प्रसिद्धः ?  
(हमारे पाठ्यविषय भृगुवल्ली इस नाम से कैसे प्रसिद्ध है?)
- (n) भृगुमुनिः कथं वरुणदेवं प्रति जगाम ?  
(भृगुमुनि कैसे वरुणदेव के प्रति बोले?)
- (o) 'अन्नं प्राणं चक्षु ...' इति वचनपदस्य तात्पर्यं किम् ?  
(अन्नं प्राणं चक्षु... इस वाक्य के तात्पर्य क्या है?)
2. अधः प्रदत्तेषु प्रश्नेषु चतुर्णामुत्तरं विधेयम्। एतेषु यत् किञ्चन द्वयम् सुरगिरा प्रदेयम्। 5×4=20  
(निम्ने प्रदत्त प्रश्नों के उत्तर दें। इनमें से कोई दो सुरगिरा प्रदेय होंगे।)
- (a) भारतीयविज्ञाने आयुर्वेदशास्त्रस्य स्थानं निरूपय।  
(भारतीय विज्ञान में आयुर्वेदशास्त्र के स्थान को निरूपण करें।)
- (b) नागार्जुनः कः आसीत् ? तस्य किम् अवदानमस्ति आयुर्वेदे ?  
(नागार्जुन कौन थे? आयुर्वेद में उनका क्या अवदान है?)
- (c) सूश्रुतः कः आसीत् ? आयुर्वेदे सूश्रुतसंहितायाः गुरुत्वं किम् ?  
(सूश्रुत कौन थे? आयुर्वेद में सूश्रुतसंहिता के गुरुत्व क्या है?)
- (d) आयुर्वेदचिकित्सायां बागभट्टस्य अवदानं समुपस्थापयताम्।  
(आयुर्वेदचिकित्सा में बागभट्ट के अवदान को स्थापित करें।)
- (e) व्याख्या कार्या। (व्याख्या लिखें।)  
(i) येन जातानि जीवन्ति।  
or  
(ii) प्राणाद्वैव खञ्जिमानि भूतानि जायन्ते।
- (f) तैत्तिरीयोपनिषदि भृगुवल्ली अध्यायस्य प्रथमे अनुवादे वर्णितं वरुणदेववचनमालोचयताम्।  
(तैत्तिरीयोपनिषद में भृगुवल्ली अध्याय के प्रथम अनुवाद में वर्णित वरुणदेव के वचन को आलोचना करें।)

[ 3 ]

3. अधोलिखितेषु किञ्चन प्रश्नद्वयं समाधेयम्। 10×2=20  
(निम्नलिखित प्रश्नগুলোর মধ্যে দুটি প্রশ্নের উত্তর লেখ।)
- (a) चरकसंहिता का? चिकित्शास्त्रे चरकसंहितायाः प्रतिपाद्यविषयं गुरुत्वञ्च विवृणुत।  
(चरकसंहिता कि? चिकित्साशास्त्रे चरकसंहितार प्रतिपाद्य विषय ओ गुरुत्व वर्णना करो।)
- (b) आयुर्वेदस्य कानि तावत् अङ्गानि? तानि समाश्रित्य नातिदीर्घमेकं वर्णनं क्रियताम्।  
(आयुर्वेदेर कतंगुलो अङ्ग आहे? सेइंगुलिके केन्द्र करे एकटि संक्षिप्त विवरण दाओ।)
- (c) 'आयुः' इत्यस्य किम् लक्षणम्? आयुर्वेददृष्टौ रोगोद्भवकारणेन सह तस्य-प्रतिकारोपायः प्रदर्शयताम्।  
(आयुः-एर लक्षण कि? आयुर्वेदेर दृष्टिते रोगोद्भवेर कारणसह तार प्रतिकारेर उपाय प्रदर्शन करो।)
- (d) 'स तपोहृत्यपत' इत्यस्मिन् उपनिषदिभूतवाक्ये 'स' इत्यनेन कः निर्दिष्टः? का अत्र तपस्यापदवाच्या? कः कथं तपस्याकार्यं चकार व्याख्यायताम्?  
('स तपोहृत्यपत'-एइ उपनिषद वाक्ये 'सः' एइ पदेर द्वारा के निर्दिष्ट ह्येछे? 'तपः' पदेर द्वारा कि बोखानो ह्येछे? के केन 'तपः' कार्य करेछिलेन ता व्याख्या कर।)

### Group-B

[Environmental Awareness in Sanskrit]

1. अधोलिखितेषु प्रश्नेषु दशविधाः प्रश्नाः सुरगिरा देवनागरीलिपिं समाश्रित्य समाधेयाः। 2×10=20  
(निम्नलिखित प्रश्नগুলির মধ্যে দশটি প্রশ্নের উত্তর সংস্কৃতভাষায় ও দেবনাগरी लिपिते लेख।)
- (a) मनुसंहितायाः प्रसिद्धः टीकाकारः कः? तस्य विरचिता टीका का?  
(मनुसंहितार प्रसिद्ध टीकाकार के? तस्य रचित टीका कि?)
- (b) मनुसंहिता इति ग्रन्थस्य कीदृशः प्रभावः समाजे विद्यते?  
(मनुसंहिता एइ ग्रन्थेर प्रभाव समाजे किरकम रयेछे?)
- (c) मनुसंहितायाः समयकालः लेख्यः?  
(मनुसंहितार समयकाल लेख।)
- (d) 'न सायं प्रातराशितः'-इत्यस्यवचनस्य-तात्पर्यं किम्?  
(न सायं प्रातराशितः—एइ वचनेर तात्पर्य कि?)
- (e) तैलस्य विषये किं विधानं लक्षणीयं युष्माकं मनुसंहिता इत्यस्मिन् ग्रन्थे?  
(तोमादेर पाठ्य मनुसंहिता ग्रन्थे तैलविषये कोन विधान लक्षणीय?)

- (f) 'सत्यं ब्रूयात् प्रियं ब्रूयात्'-प्रदन्तस्य श्लोकांशस्यकोहन्तुर्निर्हितः भावः ?  
(‘सत्यं ब्रूयात् प्रियं ब्रूयात्’—प्रदन्त श्लोकांशेः अन्तर्निहित भाव व्याख्या कर।)
- (g) 'दृष्टिपूतं न्यसेत् पादं'—इति श्लोकपादः कुत्र विद्यते? कथमिदं वचनम्?  
(‘दृष्टिपूतं न्यसेत् पादं’—एह श्लोकपादऱि कोथाय आछे? केन एरूप वला हयैछे?)
- (h) 'यस्तु पूर्वनिविष्टस्य' इत्यनेन श्लोकपादेन आचार्येण मनुना किं प्रोक्तम्?  
(‘यस्तु पूर्वनिविष्टस्य’—एह श्लोकपादेऱ द्दारा आचार्य मनु कि वलेछेन?)
- (i) 'प्रकारस्य भेत्तरं'— इत्यस्य श्लोकपादस्य कोहर्थः ?  
(‘प्रकारस्य च भेत्तरं’—एह श्लोकपादऱिऱ कि अर्थ?)
- (j) 'दिनमेकं पयोरतः'—प्रदन्तस्य श्लोकपादस्य तात्पर्यं लिख्यताम्।  
(दिनमेकं पयोरतः’—प्रदन्त श्लोकपादऱिऱ तात्पर्य लेख।)
- (k) बराहपुराणं पुराणलक्षणसम्बन्धितं किम् ?  
(बराहपुराण कि पुराणेऱ लक्षण समबन्धित?)
- (l) 'ते लोकाः प्राप्यन्ते'—इति बराहपुराणश्लोकपादस्य कोहर्थः ?  
(‘ते लोकाः प्राप्यन्ते’—एह बराहपुराणेऱ श्लोकपादऱिऱ कि अर्थ?)
- (m) याज्ञवल्क्यसंहितायाः रचयिता कः? ग्रन्थपरिचयः प्रदेयः।  
(‘याज्ञवल्क्यसंहिता’ऱ रचयिता के? ग्रन्थपरिचय दाँ।)
- (n) 'याज्ञवल्क्यसंहिता'—इति स्मृतिग्रन्थस्य कतिविधाः अध्यायाः वर्तन्ते? तेषां नामानि लिख्यन्ताम्।  
(‘याज्ञवल्क्यसंहिता’—एह ग्रन्थऱिऱ कतङुलो अध्याय आछे? तादेऱ नाम लेख।)
- (o) 'सामान्यद्रव्यप्रसन्नहरणां साहसं'—इति याज्ञवल्क्यवचनस्य किं तात्पर्यम्।  
(सामान्यद्रव्यप्रसन्नहरणां साहसं—एह याज्ञवल्क्यवचनेऱ तात्पर्य कि?)
2. अधोप्रदन्तेषु प्रश्नेषु चतुर्णामुत्तरं विधेयम्। एतेषु यं किञ्चन द्वितयं सुरगिरा आवश्यकं प्रदेयम्। 5×4=20  
(निम्ने प्रदन्तप्रश्नङुलिऱ मध्ये चारऱिऱ उन्तर करणीय। एदेऱ मध्ये ये कोनो दुऱिऱ उन्तर संस्कृतभाषाय प्रदेय।)
- (a) युष्माकं पाठ्यांशान्तर्गते द्वितीये अध्याये आचार्येण मनुना किमुक्तम्?  
(तोमादेऱ पाठ्यांशेऱ अन्तर्गत द्वितीय अध्याये आचार्य मनु कि वलेछेन?)
- (b) युष्माकं पाठ्यांशमनुसृत धर्मशास्त्रकारेण मनुना ब्रह्मण विषये तृतीये अध्याये किं वर्णितम्?  
(धर्मशास्त्रकार मनु मनुसंहिताऱ तृतीय अध्याये ब्रह्मण-विषये कि वलेछेन तोमादेऱ पाठ्यांश अनुसरणे लेख।)
- (c) 'नाथान्त्रिके वसेद् ग्रामे न व्याधिवह्ने भृशम्'—व्याख्यायताम्।  
(‘नाथान्त्रिके वसेद् ग्रामे न व्याधिवह्ने भृशम्’—व्याख्या कर।)

[ 5 ]

- (d) 'बनस्पतीनां सर्वेषामुपभोगो यथा यथा'—इत्यनेन श्लोकपादेन किं विधानम् आचार्येण मनुना विहितम्?  
(‘बनस्पतीनां सर्वेषामुपभोगो यथा यथा’—এই শ্লোকপাদের দ্বারা আচার্য মনু কি বিধান দিয়েছেন?)
- (e) महापुराणानां कति भेदाः विद्यन्ते? वैशिष्ट्यगतप्रभेदां बराहपुराणस्य विवरणमेकं प्रदेयम्।  
(মহাপুরাণের সংখ্যা কয়টি? বৈশিষ্ট্যগত প্রভেদ অনুসারে বরাহ পুরাণ সম্পর্কে আলোচনা কর।)
- (f) 'याज्वল्यसंहिता' इति ग्रन्थस्य कः विरचनकर्ता? ग्रन्थस्य कतिविधाः अध्यायाः विद्यन्ते? तेषां कानि नामानि? ग्रन्थस्य एका टीका का?  
याज्वल्यसंहिता'—এই গ্রন্থের কে রচনা কর্তা? গ্রন্থের কতগুলো অধ্যায় রয়েছে? তাদের নাম লেখ। গ্রন্থের একটি টীকার নাম লেখো।)
3. अधोलिखितेषु प्रश्नद्वयं समाधेयम्। 10×2=20  
(निम्नलिखित प्रश्नগুলির মধ্যে দুটি প্রশ্নের উত্তর দাও।)
- (a) मनुसंहितायाः चतुर्थे अध्याये जलदूषणविषये अन्येषां द्रव्यादिव्यवहारे च किं विधानं लक्षणीयं तदेव पाठ्यांशानुसारेण लिख्यताम्।  
(मनुसंहितार चतुर्थ अध्याये जलदूषण विषये एवं अन्येद्रव्य व्यवहार सम्पर्के ये सब विधान प्रदत्त ह्येच्छे ता पाठ्यांश अनुसरणे लेख।)
- (b) आचार्येण मनुना मनुसंहितायाः युष्माकं पाठ्यांशे एकादशाध्याये उपपातकविषये यदुपदिष्टं तत् यथायथमालोच्यताम्।  
(आचार्य मनु मनुसंहिताय तोमादेर पाठ्यांशे उपपातक विषये या उपदेश करेछेन ता यथायथाभावे आलोचना कर।)
- (c) युष्माकं पाठ्यांशे बराहपुराणे यो विषयः समुल्लिखितः तस्य वर्णनं क्रियताम्।  
(तोमादेर पाठ्यांशे बराहपुराणे ये विषय उल्लिखित ह्येच्छे ता वर्णना करो।)
- (d) याज्वल्यसंहितायाः द्वितीये अध्याये युष्माकं पाठ्यांशस्य विषयः यथायथाभावेन समुपस्थाप्यताम्।  
(याज्वल्यसंहितार द्वितीय अध्याये उल्लिखित तोमादेर पाठ्यांशेर विषयति यथायथाभावे उपस्थापन करो।)